दावोस में प्रदेश को मिले सोलर -डिस्टलरी प्लांट समेत 19,400 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : दावोस में 19 से 23 जनवरी तक चले विश्व इकोनॉमिक फोरम (WEF) में यूपी को 19,400 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। कई निवेशकों ने अतिरिक्त निवेश की इच्छा भी जताई है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अगुआई में यूपी का प्रतिनिधिमंडल दावोस गया था।

> बॉटलिंग प्लांट, आईटी, सोलर पावर, एयर फ्यूल आदि में होगा निवेश

लॉजिस्टिक्स, कृषि में भागीदारी बढ़ाएगा यूएई : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) यूपी के साथ कृषि, लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे में निवेश के जरिए भागीदारी और बढ़ाएगा। दावोस में सीएम के सचिव अमित सिंह, यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला और यूएई के अर्थव्यवस्था मंत्री अब्दुल्ला विन तौक अल मारी के बीच इन संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। यूएई ने यूपी से अधिक अनाज और फल आयात करने में रुचि व्यक्त की है। राज्य के श्रमिकों के एक प्रमुख नियोक्ता के रूप में यूएई ने स्किल सर्टिफिकेट प्रोग्राम चलाने का सुझाव दिया। मंत्री ने कहा कि कई श्रमिकों को स्किल गैप के कारण प्रशिक्षण के बाद रोजगार के लिए यूएई में तीन महीने तक इंतजार करना पड़ता है। इसलिए, यूएई यूपी में इन-हाउस कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करेगा। परिवहन से लेकर शहरी विकास तक की बुनियादी योजनाओं में भी यूएसई ने निवेश की इच्छा व्यक्त की।

इनसे मिले निवेश प्रस्ताव

- 6000 करोड़ के निवेश से शाहजहांपुर में सस्टेनबल एयर फ्यूल बनाएगी एम ग्रीस
- 6000 करोड़ से नोएडा में हाइपरस्केल डेटा सेंटर की स्थापना करेगी लॉफ्टसलेन
- 2500 करोड़ से बॉटलिंग प्लांट लगाएगी कोका-कोला
- 1500 करोड़ डिस्टिलरी सेक्टर में निवेश करेगी हेनेकेन
- 1200 करोड़ का निवेश कर लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज 300 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाएगी
- 1000 करोड़ रुपये से डिस्टिलरी प्लांट शुरू करेगी एनहेसर-बुश इनबेव
- 1000 करोड़ से लखनऊ में एआई हब बनाएगी सिफी

दावोस में यूपी ने आकर्षित किया 19400 करोड़ रुपये का निवेश

लखनऊ। दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के दौरान यूपी सरकार ने 19400 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया। वहीं कई प्रमुख वैश्विक ब्रांडों और निवेशकों ने अतिरिक्त निवेश की इच्छा भी जताई। इन निवेश प्रस्तावों के चलते प्रदेश निवेश के लिए प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित हुआ है और उसकी प्रतिष्ठा वैश्विक स्तर पर मजबूत हुई।

मुख्य निवेश समझौता ज्ञापनों में कोका-कोला द्वारा मून बेवरेजेज और एसएलएमजी बेवरेजेज के माध्यम से प्रदेश में दो बॉटलिंग प्लांट स्थापित करने के लिए 2,500 करोड़ से अधिक की निवेश प्रतिबद्धता शामिल है।

यूएई ने उप्र के बुनियादी ढांचे के विकास में दिखाई रुचि : वहीं तीसरे दिन यूएई ने उत्तर प्रदेश के बुनियादी ढांचे के विकास में रुचि दिखाई। यूएई के फंड परिवहन से लेकर शहरी विकास तक सभी को शामिल करते हुए राज्य की विभिन्न अवस्थापना परियोजनाओं में निवेश करने की इच्छा जताई। मुख्यमंत्री के सचिव अमित सिंह, यूपीनेडा के निदेशक अनुपम शुक्ला और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अर्थव्यवस्था मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मारी के बीच बैठक हुई। इसमें उप्र और यूएई के बीच संबंधों को मजबूत करने और निजी क्षेत्र के निवेश, कृषि, लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे के विकास पर विमर्श हुआ। यूएई ने उत्तर प्रदेश से अधिक अनाज और फल आयात करने में रुचि व्यक्त की है। ब्यूरो

जन शिकायतों की एआई से होगी निगरानी

लखनऊ। प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक आम लोगों की सुनवाई से जुड़े पोर्टल को एआई की मदद से अधिक प्रभावशाली बनाया जाएगा। इस संबंध में यूपी सरकार ने सॉफ्टवेयर क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एचसीएल के साथ करार किया है। एचसीएल यूपी में जनसुनवाई समाधान के साथ आपदा प्रबंधन और कृषि से जुड़ी सेवाओं को भी डिजिटल करेगी। वहीं नोएडा में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी। दावोस में विश्व आर्थिक मंच सम्मेलन के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार ने डिजिटल को बढ़ावा देने के लिए एचसीएल सॉफ्टवेयर के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है।